भजन

तर्ज–अब क्या मिसाल दूं मैं

अब क्या करुं बयान मैं सूरत सुभान की
शब्दों में कैसे लाऊं पिया शोभा आपकी

1–सुंदर सरूप आपका सागर है नूर का
दिल इश्क से भरा हुआ मेरे हजूर का
गालों पे है लाली, लाली गुलाब की

2–देखूं जो तेरे नैनो मे तो ये नैन न रहें
झुक जाये रुह चरण मे तो फिर न वो उठे
कैसे कहूं मैं खूबी, खूबी खुसाल की

3–सुख रसना के मैं क्या कहूं देते जो करके प्यार
ऐ जाने रुह अर्श की जो लेते बेशुमार
कायम है मस्ती, मस्ती नूर जमाल की